समुद्री शैवाल आधारित जैव उत्तेजक

[स्रोत: पी.आई.बी.](#)

हाल ही में भारत सरकार ने किसानों को अच्छी गुणवत्ता वाले जैव उत्तेजक पदार्थों की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिये **उर्वरक (नियंत्रण) आदेश, 1985 के अंतर्गत समुद्री शैवाल आधारित जैव उत्तेजक पदार्थों** को शामिल किया है।

- **जैव उत्तेजक:** जैव उत्तेजक/बायोस्टिमुलेंट्स **पौधों या उनकी जड़ों में प्राकृतिक प्रक्रियाओं** को बढ़ावा देते हैं, पोषक तत्त्व अवशोषण, दक्षता, तनाव सहनशीलता और समग्र फसल की गुणवत्ता तथा उपज में सुधार करते हैं।
    - ये **जैविक खेती के साथ अच्छी तरह से सुमेलित** हैं क्योंकि वे **पारिस्थितिक संतुलन, मृदा स्वास्थ्य और सिंथेटिक रसायनों पर निर्भरता को कम करने** पर भी ज़ोर देते हैं।
- सरकार **प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना** (**Pradhan Mantri Matsya Sampada Yojana- PMMSY**) के माध्यम से देश में समुद्री शैवाल की खेती को बढ़ावा दे रही है।
- सरकार **परंपरागत कृषि विकास योजना** (**Paramparagat Krishi Vikas Yojana- PKVY**) और **पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिये जैविक मूल्य शृंखला विकास मिशन** (**Mission Organic Value Chain Development for North Eastern Region- MOVCDNER**) जैसी योजनाओं के माध्यम से जैविक खेती को भी बढ़ावा दे रही है।
    - **PKVY को देश भर में पूर्वोत्तर राज्यों के अलावा अन्य सभी राज्यों में क्रियान्वित किया जा रहा है,** जबकि MOVCDNER योजना **विशेष रूप से पूर्वोत्तर राज्यों में क्रियान्वित** की जा रही है।
    - दोनों योजनाएँ जैविक खेती में लगे **किसानों को उत्पादन से लेकर प्रसंस्करण**, प्रमाणीकरण और विपणन तथा फसलोपरांत प्रबंधन तक संपूर्ण सहायता प्रदान करने पर ज़ोर देती हैं। प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण इस योजना का अभिन्न अंग है।

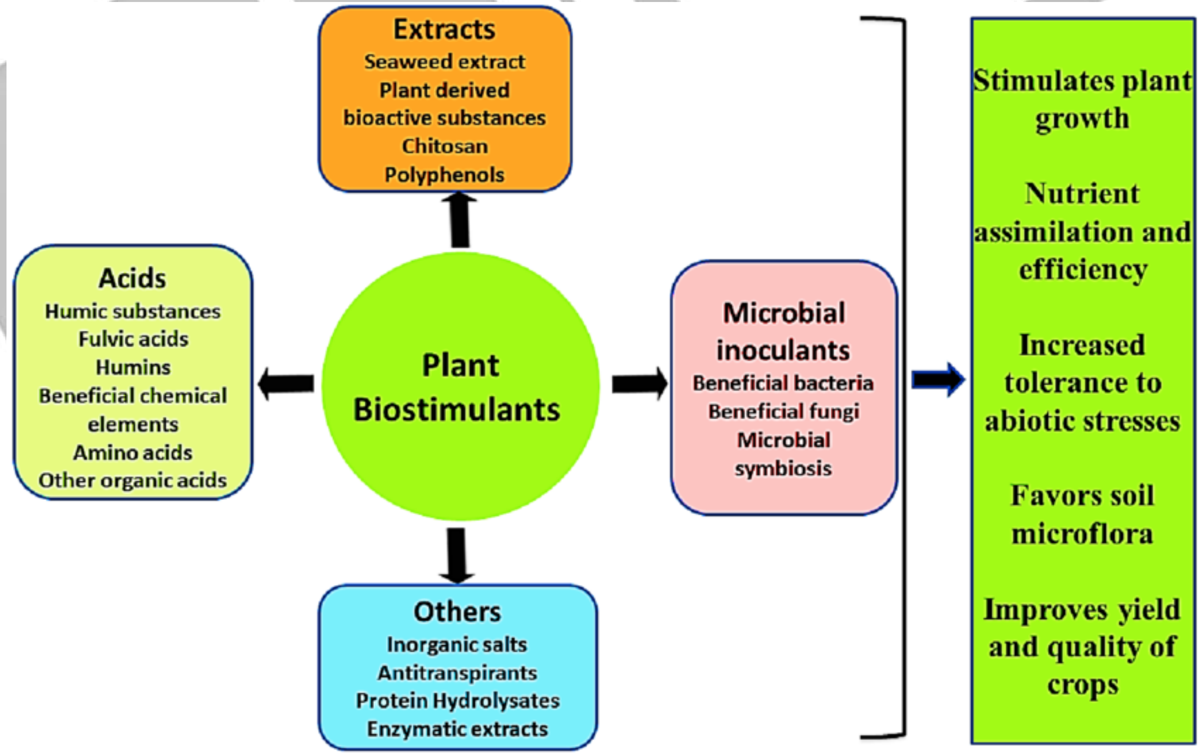

//

और पढ़ें: [भारत में जैविक कृषि](#)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/seaweed-based-biostimulants